अनुमोदित
2018-19

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

स्नातक चित्रकला (बी.एफ.ए–पेंटिंग)

विषय – चित्रकला

संकाय – ललित कला

(नियम, परीक्षा योजना, अंक योजना एवं पाठ्यक्रम)

(डा. रश्मि जोशी) (डा. आलोक भायसार) (डा. रंजना वानखेड़े)

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातक – चित्रकला (बी.एफ.ए–पेंटिंग)

अकादमिक सत्र 2018 से 2019

सैद्धांतिक –प्रश्न पत्रों के लिए निर्देशः — समय – 3 घंटे

(अ) 1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 — अंक निर्धारण – 10
(बहु वैकल्पीय उत्तर) — प्रत्येक – 01 अंक

नोट – वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चयन किये जायेंगे।

2. लघुउत्तरीय प्रश्न – 05 — अंक निर्धारण – 15
प्रत्येक – 03 अंक

नोट – प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चयन किये जायेंगे।

3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 05 — अंक निर्धारण – 45
(आंतरिक विकल्प के साथ) — प्रत्येक – 09 अंक

नोट – प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चयन किये जायेंगे।

अधिन्यास / (एसाइन्मेंट) कार्य — अंक – 30

क्रियात्मक — अंक निर्धारण – 100
उत्तीर्णांक –40

28/4/18

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातक चित्रांकला (बी.एफ.ए – पेंटिंग)

सेमेस्टर	प्रश्नपत्र क्र	प्रश्नपत्र के नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर प्रश्नपत्र	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अधिकतम अंक
सेमेस्टर –1	प्रश्नपत्र 1	भारतीय संस्कृति और कला (आ.पा.) (सैद्धांतिक)	3	70	30	100
	प्रश्नपत्र 2	सामान्य हिंदी (आ.पा.) (सैद्धांतिक)	3	70	30	100
	प्रश्नपत्र 3	पर्यावरण और संस्कृति (आ.पा.) (सैद्धांतिक)	3	70	30	100
	प्रश्नपत्र 4 क्रियात्मक–1	चित्रांकन	6			
	प्रश्नपत्र 5 क्रियात्मक–2	रूपांक 2 डी.	6	–	–	100
	प्रश्नपत्र 6 क्रियात्मक–3	रूपांक 3 डी.	6	–	–	100
	प्रश्नपत्र 7 क्रियात्मक–4	रंग (कलर)	6	–	–	100
सेमेस्टर –2	प्रश्नपत्र 1	भारतीय संस्कृति एवं कलां (आ.पा.) (सैद्धांतिक)	3	70	30	100
	प्रश्नपत्र 2	उद्यमिता तनाव प्रबंधन एवं योग (आ.पा.) (सैद्धांतिक)	3	70	30	100
	प्रश्नपत्र 3	संगणक अनुप्रयोग (आ.पा.) (सैद्धांतिक)	3	70	30	100
	प्रश्नपत्र 4 क्रियात्मक–1	चित्रांकन	6	–	–	100
	प्रश्नपत्र 5 क्रियात्मक–2	रूपांकन 2–डी	6	–	–	100
	प्रश्नपत्र 6 क्रियात्मक–3	रूपांकन 3–डी	6			
	प्रश्नपत्र 7 क्रियात्मक–4	रंग (कलर)	6			
सेमेस्टर –3	प्रश्नपत्र 1	भारतीय चित्रकला का इतिहास (सैद्धांतिक)	6	70	30	100
	प्रश्नपत्र 2	प्रारंभिक चित्रकला की अध्ययन सामग्री एवं विधियां (व्यावहारिक सन्दर्भ में) (सैद्धांतिक)	6	70	30	100
	प्रश्नपत्र 3 क्रियात्मक –1	रूपप्रद चित्रांकन	6	–	–	100
	प्रश्नपत्र 4 क्रियात्मक –2	चित्र सयोजन	6			
	प्रश्नपत्र 5 क्रियात्मक –3	आवक्ष चित्रण / दृश्य–चित्रण	6	–	–	100
	प्रश्नपत्र 6 क्रियात्मक –4	(वैकल्पिक विषय) अ. आदिम कला के प्रतिरूपात्मक ब. म.प्र. के प्रमुख चित्रकारों के प्रतिरूपात्मक	6	–	–	100

सेमेस्टर –4	प्रश्नपत्र 1	भारतीय चित्रकला का इतिहास (सैद्धांतिक) (मध्यकाल से वर्तमान काल तक)	6	70	30	100
	प्रश्नपत्र 2	चित्रकला की अध्ययन सामग्री एवं विधिया (सैद्धांतिक)	6	70	30	100
	प्रश्नपत्र 3 क्रियात्मक –1	मानवाकृति चित्रांकन	6	–	–	100
	प्रश्नपत्र 4 क्रियात्मक –2	चित्र संयोजन	6			
	प्रश्नपत्र 5 क्रियात्मक –3	आवक्ष चित्रण / दृश्य चित्रण	6			
	प्रश्नपत्र 6 क्रियात्मक –4	(वैकल्पिक विषय) अ. आदिवासीकला के प्रतिरूपात्मक ब. म.प्र. के प्रमुख चित्रकारों के प्रतिरूपात्मक	6	–	–	100
सेमेस्टर –5	प्रश्नपत्र 1	भारतीय कला एवं सौन्दर्यशास्त्र (सैद्धांतिक)	6	70	30	100
	प्रश्नपत्र 2	पाश्चात्य कला एवं सौन्दर्यशास्त्र (सैद्धांतिक)	6	70	30	100
	प्रश्नपत्र 3 क्रियात्मक –1	चित्रांकन	6	–	–	100
	प्रश्नपत्र 4 क्रियात्मक –2	चित्रसंयोजन	6			
	प्रश्नपत्र 5 क्रियात्मक –3	आवक्ष चित्रण / दृश्य चित्रण	6			
	प्रश्नपत्र 6 क्रियात्मक –4	(वैकल्पिक) अ) पेपर मेषीकला ब) भारतीय कला और उसका विश्व में प्रभाव	6	–	–	100
सेमेस्टर –6	प्रश्नपत्र 1	1. यूरोपीय कला का इतिहास (सैद्धांतिक) (प्रारंभ से महान पुनर्जागरण तक)	6	70	30	100
	प्रश्नपत्र 2	यूरोपीय चित्रकला का इतिहास (सैद्धांतिक) (बारोक कला से आधुनिककाल)	6	70	30	100
	प्रश्नपत्र 3 क्रियात्मक –1	चित्रांकन	6	–	–	100
	प्रश्नपत्र 4 क्रियात्मक –2	चित्रसंयोजन (भित्ति चित्रण)	6	–		100
	प्रश्नपत्र 5 क्रियात्मक –3	सृजनात्मक आवक्ष चित्रण / सृजनात्मक दृश्य चित्रण	6	–	–	100
	प्रश्नपत्र 6 क्रियात्मक –4	(वैकल्पिक विषय) अ) लोककला के प्रतिरूपात्मक ब) व्यावसायिक कला (परियोजना कार्य)	6			
सेमेस्टर –7	प्रश्नपत्र 1	पूर्व की चित्रकला का इतिहास (सैद्धांतिक)	6	70	30	100
	प्रश्नपत्र 2	कला समीक्षा एवं दर्शन (सैद्धांतिक)	6	70	30	100
	प्रश्नपत्र 3 क्रियात्मक –1	चित्रांकन	6	–	–	100
	प्रश्नपत्र 4 क्रियात्मक –2	चित्रसंयोजन भित्ति चित्रण	6	–	–	100
	प्रश्नपत्र 5 क्रियात्मक –3	आवक्ष चित्रण / दृश्य चित्रण	6	–	–	100
	प्रश्नपत्र 6 क्रियात्मक –4	परियोजना कार्य (कला एवं कला से सम्बन्धित विषयों / कलाकारों आदि की कलाओं से जुड़े विषय)	6	–	–	100

28/4/13

सेमेस्टर –8	प्रश्नपत्र 1	भारतीय और यूरोपीय सौन्दर्य की मीमांसा (सैद्धांतिक)	6	70	30	100
	प्रश्नपत्र 2	आधुनिक चित्रकला की प्रवृत्तियां (सैद्धांतिक)	6	70	30	100
	प्रश्नपत्र 3 क्रियात्मक –1	चित्रांकन	6	–	–	100
	प्रश्नपत्र 4 क्रियात्मक –2	चित्रसंयोजन	6			
	प्रश्नपत्र 5 क्रियात्मक –3	आवक्ष चित्रण / दृश्य चित्रण	6	–	–	100
	प्रश्नपत्र 6 क्रियात्मक –4	(परियोजना कार्य) (कला एवं कला से जुड़े विषयों / कलाकारों आदि की कलाओं से जुड़े विषय)	6			

28/4/23

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातक पाठ्यक्रम
चित्रकला (बी.एफ.ए–पेंटिंग)
प्रथम सेमेस्टर
आधार पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्नपत्र – 'भारतीय संस्कृति और कला'

अधिकतम अंक–100 (सैद्धांतिक) उत्तीर्णांक–40
आंतरिक मूल्यांकन–30 क्रेडिट – 6
लिखित परीक्षा –70

आवश्यकता – भारतीय संस्कृति और कला को जानना भारत में विभिन्न धर्म और सम्प्रदायों को जानना जिनका सीधा–सीधा प्रभाव कला और कलाकारों पर पड़ता है।

उददेश्य – कला एवं साहित्य की शिक्षा को व्यावसायिक पाठयक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, मेडीकल [illegible] टेक्नोलॉजी के समान और अधिक वैज्ञानिक तथा सुव्यवस्थित बनाने के लिये फाईन आर्ट [illegible] वर्तमान पाठयक्रमों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई प्रथम – भारतीय संस्कृति का अर्थ, संस्कृति की परिभाषाएँ। भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ

इकाई द्वितीय – कला का अर्थ एवं परिभाषाएँ। कला का भारतीय एवं पाश्चात्य मत।

इकाई तृतीय – भारतीय इतिहास के स्त्रोत –वैदिक तथा पूर्व बौद्वकालीन साहित्य में चित्रकला के उल्लेख। चित्रकला की उत्पत्ति की कथा।

इकाई चतुर्थ – **हिन्दू धर्म** – उद्भव एवं विकास। सिद्वान्त एवं उददेश्य। विभिन्न मत– वैष्णव, शैव [illegible] मत।

इकाई पंचम – **विभिन्न सम्प्रदाय** – वल्लभ सम्प्रदाय, नाथ सम्प्रदाय, कबीर पंथ, दादू [illegible] रामकृष्ण मिशन, स्वामी नारायण सम्प्रदाय, वारकरी पंथ, राधास्वामी सम्प्रदाय, ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज, थियोसोफिकल सोसायटी।

महत्व – कला का ज्ञान मानव के ज्ञान की गुणवत्ता को सम्पन्न बनाने तथा सर्वश्रेष्ठ का चयन करने में यथार्थता तक पहुँचने का मार्ग है। ज्ञान का यह विशिष्ट प्रकार है, जिसे प्राप्त करने के लिये स्वयं का अनुशासन तौर ज्ञान पर आधारित जानकारी बौद्विक जागृति तथा मानव जीवन के रचनात्मक और कल्पनाशील पहलुओं में गहरी रूचि की अपेक्षा होती है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची –

1. भारतीय संस्कृति के मूलाधार, लेखक– डॉ. शिवकुमार गुप्त, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
2. भारतीय कला – वासुदेव शरण अग्रवाल – हिंदु विश्वविद्यालय, काशी
3. कला और संस्कृति – वासुदेव शरण अग्रवाल
4. कला के सिद्धांत – आरजी कलिंगवुड – हिंदी ग्रथ अकादमी, राजस्थान
6. कला के मूल तत्व – जी. के. अग्रवाल
7. प्रचीन भारत की सभ्यता एवं संस्कृति–दामोदर धर्मानंद कोसाबी
8. भारतीय दार्शनिक निबन्ध – डॉ. वंदिष्टे – डॉ. रमाशंकर सिंह

28/4/18

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातक पाठ्यक्रम
चित्रकला (बी.एफ.ए–पेंटिंग)
प्रथम सेमेस्टर
आधार पाठ्यक्रम
द्वितीय प्रश्नपत्र – सामान्य हिन्दी
(सैद्धांतिक)
क्रेडिट – 6

अधिकतम अंक–100
आंतरिक मूल्यांकन–30
लिखित परीक्षा –70

उत्तीर्णांक–40

आवश्यकता – हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा है, जिसका ज्ञान हर भारतीय को होना चाहिए। बी.एफ.ए. के इस पाठ्यक्रम में हिन्दी के सामान्य ज्ञान को रखा गया है।

उद्देश्य – हिन्दी भाषा का ज्ञान हर विद्यार्थी को होना आवश्यक है और यह विश्वविद्यालय तो हिन्दी मे कार्य करने वाला देश का प्रथम है। हिन्दी के सामान्य ज्ञान को हर विद्यार्थी समझे और जाने।

पाठ्यक्रम

इकाई प्रथम –
मानक हिन्दी।
अशुद्धियां और उनका सशोधन।
वाक्यों की अशुद्धियाँ।

इकाई द्वितीय –
हिन्दी शब्द भण्डार– तत्सम, तद्भव, देशी, विदेशी।
शब्द के रूप– पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थी शब्द,
अनेक शब्दों के लिए प्रयुक्त होने वाला एक शब्द।
शब्द रचना– संधि, समास।

इकाई तृतीय –
पद और वाक्य।बब
शुद्ध लेखन और वर्तनी विचार।
विराम चिन्ह।

इकाई चतुर्थ –
मुहावरे और लोकोक्तियाँ ।
सार लेखन।
पल्लवन।

इकाई पंचम –
पत्र लेखन– शासकीय, अर्द्धशासकीय, निजी एव कार्यालयीन पत्र।
अपठित गद्यांश। निबंध।

महत्व – हिन्दी भाषा का ज्ञान अत्यन्त आवश्यक है क्योंकि आज का विद्यार्थी पब्लिक स्कूलों मे पढ़कर इसके ज्ञान से वंचित होता जा रहा है। राष्ट्र के लिए भी इसका ज्ञान आवश्यक है।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. हिन्दी भाषा संरचना, संपादक– त्रिभुवन नाथ शुक्ल,
2. डॉ. संत्येन्द्र शर्मा, डॉ. राजकुमार डफु, डॉ. कमल चतुर्वेदी, डॉ. बीरेन्द्र मोहन, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

28/4/18

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातक पाठ्यक्रम
चित्रकला (बी.एफ.ए–पेंटिंग)
प्रथम सेमेस्टर
आधार पाठ्यक्रम
तृतीय प्रश्नपत्र – पर्यावरण और संस्कृति
(सैद्धांतिक)

अधिकतम अंक–100 उत्तीर्णांक – 40
आतरिक मूल्यांकन–30 क्रेडिट – 6
लिखित परीक्षा –70

आवश्यकता – छात्रों कों पाठ्यक्रम मे पर्यावरण के अध्यापन से सामान्य तौर पर अपने आसपास को वातावरण की जानकारी दे कर उससे तारतम्य बैठाने की जानकारी देना है।

उद्देश्य – इससे छात्रों पर्यावरण से सम्बन्धित हानी और लाभ की सैद्धांतिक रूप से जानकारी ग्रहणकर पाता है।

पाठ्यक्रम

इकाई प्रथम – **भारतीय संस्कृति एवं पर्यावरण** : पर्यावरण परिभाषा एवं महत्व जन जागृति की आवश्यकता नवीनीकरण एवं अनवीनीकरण संसाधन प्राकृतिक संसाधन एवं उससे सबंधित समस्याए, भारतीय संस्कृति की पर्यावरण, संस्कृति और सभ्यता में अन्तः सम्बन्ध

इकाई द्वितीय – **पारिस्थितिकी तंत्र अवधारणा** : पारिस्थिति तंत्र की सरचना एवं कार्यप्रणाली, [illegible] उपभोक्ता, अपघटक, परिचय, प्रकार, विशेषताए, गुण सरचना एव कार्यप्रणाली [illegible] परिस्थितिकी तंत्र , स, मरूस्थल पारिस्थितिकी तंत्र, व जलीय पारिस्थितिकी तंत्र [illegible] धारा, झील, नदियां, समुद्र)

इकाई तृतीय – **जैव विविधता एंव संरक्षण** : परिचय– परिभाषा : जीनीय, प्रजातीय एवं पारिस्थितिकी विविधता, भारत का जैवभौगोलिक वर्गीकरण, पर्यावरण कानूनों के प्रवर्तन में शामिल मृददे, जन जागरूकता, जैवविविधता का महत्व, उपभोगीय उपयोगिता, उत्पादकीय उपयोगिता, सामाजिक, नैतिक सौन्दर्य बोध एवं वैकल्पिक मूल्य

इकाई चतुर्थ – **पर्यावरणीय प्रदूषण** – परिभाषा, कारण, प्रभाव एवं नियंत्रण उपाय, वायु प्रदूषण, समुद्री प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, तापीय प्रदूषण, नाभीकीय खतरे, ठोस अपशिष्ट के कारण प्रभाव एव नियंत्रण उपाय, प्रदूषण निवारण में व्यक्तिगत भूमिका, प्रदूषण केस अध्ययन, आपदा प्रबंधन : बाढ़, भूकम्प, चक्रवात एवं भूस्खलन।

इकाई पंचम – **मानव जनसंख्या एवं पर्यावरण** : जनसंख्या वृद्धि, राष्ट्रो के बीच भिन्नता, जनसंख्या विस्फोट परिवार कल्याण, योजना

स्थानीय क्षेत्रों की यात्रा : पर्यावरण दस्तावेजी के लिये नदी / वन / [illegible] स्थानीय दूषित क्षेत्रों की यात्रा – शहरी / ग्रामीण / आद्यौगिक / कृषि, स्थानीय [illegible] पक्षियों का अध्ययन, सरल पारिस्थितिकी तंत्र का अध्ययन – तालाब, नदी, पहाडी तलहटी।

महत्व – इस विषय के ज्ञान से छात्रों (पर्यावरण) यानी आस पास के वातावरण और उससे सम्बन्धित नई योजनाओं का ज्ञान प्राप्त करता है।

संदर्भ किताबे / ग्रंथ :–

1. पर्यावरण अध्ययन, अनिंदिता भसक, पियरसन एजुकेशन दिल्ली।
2. पर्यावरणीय अध्ययन, किरण प्रकाशन दिल्ली।
3. देश का पर्यावरण, अनुपम मिश्र, गांधी शांति प्रतिष्ठान।
4. हमारा पर्यावरण, अनुपम मिश्र, गांधी शांति प्रतिष्ठान।

28/4/18

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातक पाठ्यक्रम
चित्रकला (बी.एफ.ए–पेंटिंग)
प्रथम सेमेस्टर
क्रियात्मक एक – चित्रांकन

अधिकतम अंक–100 **क्रेडिट – 6** **उत्तीर्णांक–40**

माध्यम – पेंसिल, पेस्टल रंग, स्याही, क्रेयान पेंसिल, मोनोक्रोम, जलरंग आदि।
समय अवधि -- 06 घंटे (अथवा 1 या 2 दिन सुविधानुसार)
शीट का माप – ″11X15 ″

आवश्यकता – चित्रांकन कला की प्रारम्भिक सीढी है। जिसके माध्यम से कलाकार आगे बढ़ता [illegible] कौशल का प्रारम्भ चित्रकला में चित्रांकन से ही प्रारम्भ किया जाता है।

उद्देश्य – चाक्षुक स्वरूपों का ज्ञान यथा– जीवन, जीवन से संबंधित विभिन्न क्रियाओं, वस्तुओं, जड़–चेतन स्वरूपों को चित्रांकन के माध्यम से प्रस्तुत करने की क्षमता का उत्तरोत्तर विकास करते जाना।

चित्रांकन – जीवन के विभिन्न स्वरूपों को पेंसिल, पेन, पेस्टल रंग आदि के माध्यमों से चित्रतल पर आकृतियों को बनाना। छाया एवं प्रकाश के द्वारा वस्तुओं को द्विआयामी रूपों में प्रस्तुत करना।
विभिन्न पारम्परिक शैलियों की अक्षर लिखाई का अध्ययन और बरू, बांस, निब, ब्रश आदि से किताब का अभ्यास।
पत्र–पत्रिकाओं और पुस्तकों के लिए कथा–चित्र, विविध प्रसंगों, घटनाओं के व्यंग चित्र, विशिष्ट व्यक्तियों के केरीकेचर।
दिये गए ऐतिहासिक, धार्मिक, दैनन्दिन विषयों पर आधारित काल्पनिक, स्मृति–रेखाचित्र बनाना।
पोस्टर का उद्देश्य समझना और पोस्टर बनाना, पुस्तकों के मुख्य पृष्ठ बनाना।
पेंसिल के माध्यम से एवं अन्य माध्यमों से छाया एवं प्रकाश का अध्ययन।
सेशनल – 10 सेशनल प्लेट्स तैयार कर प्रस्तुत करना।
चित्रांकन विषय की स्केचबुक प्रस्तुत करना।

महत्व – विद्यार्थी जितना अच्छा चित्रांकन करेगा वह उतना ही अच्छा कलाकार बन सकेगा। चित्रांकन के माध्यम से क्रियात्मक कार्य सिद्धहस्तता के साथ सीख पाऐंगें।

संदर्भ ग्रथ सूची :–

1. कला के मूल तत्व – अशोक, जी.के. अग्रवाल
2. हाउ टू पेंट एंड ड्रा पिपुल – सेमूअल नरशाल
3. हाउ टू पेंट एंड ड्रा पिपुल -- बोडो डब्ल्यू. जेक्सथिमर–थॉमस एंड हडशन
4. हाउ टू पेंट नेचर– जेनी रॉडवैल
5. हाउ टू पेंट स्टील लाइफ विथ एक्रेलिक– मेकडोनाल्ड ऐकेडमी पार्टिसिया मेनाहन
6. वाल्टर टी फास्टर सीरिज
7. एनाटामी एण्ड ड्राइंग – विक्टर पेराडे
8. फ्री ड्राइंग प्रथम, द्वितीय, तृतीय – डॉ. अडारकर एण्ड पाण्डे

28/4/18

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातक पाठ्यक्रम

चित्रकला (बी.एफ.ए–पेंटिंग)

प्रथम सेमेस्टर

क्रियात्मक दो – "रूपांक 2–D"

अधिकतम अंक–100 उत्तीर्णांक–40

क्रेडिट – 6

आवश्यकता – सपाट धरातल पर द्विआयामी प्रभाव दिखाना

उद्देश्य – कला के स्वाभाव से भिन्न होकर सपाट धरातल पर विद्यार्थियों को रंगों के माध्यम से विभिन्न आलेखनों, अलंकरणों एवं ज्यामितीय आकार–प्रकारों को जानना।

माध्यम – पोस्टर कलर, वाटर कलर अन्य।
रूपांक 2–D–विद्यार्थियो को अपने पैरों पर खड़ा करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के आलेखनों जैसे– साड़ी का बार्डर, मेजपोश के किनारे, विभिन्न प्रकार के वस्त्रों पर डिजाइन बनाना [illegible] ज्यामितीय, वानस्पतिक, जैविक एवं अभिप्रायो का उपयोग करते हुए पारम्परिक [illegible] आकल्पनों की संरचना, उनमे अक्षरो का गुफन। चित्रांकन और कोलाज एवं [illegible] का भी इसमें समावेश किया जा सकता है।

समय अवधि – 06 घंटे (अथवा 1 या 2 दिन सुविधानुसार)
शीट का माप – "11X15 "

सेशनल – 10 सेशनल प्लेट्स तैयार कर प्रस्तुत करना।
"रूपांक 2–D" विषय की स्केच बुक तैयार करना।

महत्व – द्विआयामी अभ्यास के पश्चात विद्यार्थी विभिन्न व्यावसायिक कला कर्मों के लिए पारंगत हो जाता है। जैसे आकल्पन (डिजाइन), छापा कला आदि।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. हाउ टू पेंट एंड ड्रा–
2. डिजाइन–वाल्टर टी फॉल्टर
3. मिनिएचर फ्राम द ईस्ट एण्ड परशियन मिनिएचर - स्पींग वर्क्स
4. फ्री ड्राईंग – डॉ. अडारकर एण्ड पान्डे
   प्रथम –
   द्वितीय –
   तृतीय –
5. रेखांजली – जगन्नाथ अहिवासी
6. वाटर कलर – माधव सातवलेकर

28/4/18

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातक पाठ्यक्रम
चित्रकला (बी.एफ.ए–पेंटिंग)
प्रथम सेमेस्टर
क्रियात्मक तीन – "रूपांक 3–D"

अधिकतम अंक–100 **उत्तीर्णांक–40**

क्रेडिट – 6

आवश्यकता– क्रियात्मक विषयों में शिल्पकला/ मूर्तिकला विषय त्रिआयामी रूप से विद्यार्थी अभ्यास करता है। आधार पाठ्यक्रम में केवल मिट्टी, प्लास्टर ऑफ पेरिस से अध्यापन कार्य किया जाता है। विषय विशेषज्ञता (तीन वर्षी पाठ्यक्रम में धातु, काष्ट, सीमेंट आदि माध्यमों में सिखाया जाता है।

उद्देश्य– आधार पाठ्यक्रम में सभी विषयों का अध्यापन करवाया जाता है। विद्यार्थी की रूचि के अनुसार आगे (तीन वर्षीय पाठ्यक्रम) विषय चयन में सुविधा रहती है। मूर्तिकला भी उन्हीं में से एक है।

माध्यम – **रूपांक 3–D–** मिट्टी में द्विआयामी शिल्प निर्माण, भट्टी में पकाने की प्रविधि, संक्षिप्त में सैद्धांतिक एवं क्रियात्मक जानकारी अथवा प्लास्टर ऑफ पेरिस या रबर मोल्ड तैयार कर किसी उपलब्ध माध्यम द्वारा ढलाई करना। द्विआयामी रूप से भी कार्य किया जा सकता है।
सेशनल– 02 मूर्ति शिल्प एवं विषय से संबंधित स्केच बुक ।

समय अवधि – 08 घंटे (अथवा 1 या 2 दिन सुविधानुसार)
शीट का माप – "1X1 "

महत्व – त्रिआयामी शिल्प/मूर्तिकला व्यावसायिक कौशल एवं रचनात्मक योग्यता मे विद्यार्थी को उत्तरोत्तर प्रगति की ओर ले जाता है। भारतीय शिल्प एवं स्थापत्य कला विश्व में अपना स्थान रखती है।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. कला सैद्धान्तिक– लक्ष्मीनारायण नायक (मिट्टी की मूर्ति मॉडल निर्माण, ढलाई, भट्टी में पकाना इत्यादि की जानकारी कला सामग्री आदि)

28/4/18

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातक पाठ्यक्रम

चित्रकला (बी.एफ.ए–पेंटिंग)

प्रथम सेमेस्टर

क्रियात्मक चार – रंग (कलर)

अधिकतम अंक–100 **उत्तीर्णांक–40**

क्रेडिट – 6

आवश्यकता – रंग कला और कलाकार ही से नहीं वरन् जीवन के हर स्वरूप में बिखरे हुए हैं, इनके माध्यम से ही कलाकार स्वरूपों में रंग भरता है। रंगों का अपना मनोविज्ञान है, जिससे विद्यार्थियों को परिचित करवाया जाता है। इस प्रश्नपत्र की आवश्यकता हर विद्यार्थी को होती है चाहे वह किसी भी क्षेत्र (विषय विशेषज्ञता) का हो।

उद्देश्य – रंगों के महत्व को जानकर कलाकार विद्यार्थी रंग विशेष का प्रयोग उन्ही स्थानो पर करता है जो उपयुक्त हो। कला के सिद्धान्तों का उपयोग करते हुए एवं रंग चक्रों को जानकर वह क्रियात्मक कार्यों मे पारगतता पाता है।

माध्यम – जल रंग, पोस्टर रंग
रंग (कलर)– चित्रकला विषय के अनुसार रंगों के नाम, रंग चक्र, प्राथमिक रंग, द्वितीयक रंग, तृतीयक रंग एवं रंगों के विविध रूपों का ज्ञान। रंगों के विभिन्न प्रभावों का ज्ञान।
सेशनल – 10 शीट एवं संबंधित विषय में स्केच बुक।

समय अवधि – 06 घंटे (अथवा 1 या 2 दिन सुविधानुसार)
शीट का माप – "11X15"

महत्व – सामान्य विद्यार्थी और कलाकारों की दृष्टि में रंगों का ज्ञान सामान्य से हटकर हो जाता है। अतः इनका प्रयोग सटीक रूप में करके वह कला के क्षेत्र में अपना नाम रोशन करता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. कला के मूल तत्व – जी.के. अग्रवाल
2. हाऊ टू पेन्ट एंड ड्रॉ – डब्लू जैक्सथीमर
3. रंग –वाल्टर टी फास्टर
4. रूपप्रद कला के सिद्वांत –एस.के. शर्मा – आर.ए. अग्रवाल
5. कलर हारमोनी हीडेकी चिंजीवा - रोक्पोर्ट पब्लिशर्स
6. कला सैद्वांतिक – लक्ष्मी नारायण नायक
7. कला का मनोविज्ञान – आर. बी. गौतम
8. चित्रण विधान एवम् सामग्री – डॉ. शिव कुमार शर्मा, डॉ शुकदेव श्रोत्रिय